नाम .....

102/1 304(AT)

2018

सामान्य हिन्दी

प्रथम प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 50

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. क) 'परीक्षा गुरु' के लेखक हैं

i) हजारीप्रसाद द्विवेदी

ii) सदल मिश्र

iii) लक्ष्मण सिंह

iv) लाला श्रीनिवास दास । 1

ख) 'इन्दुमती' है

i) प्रथम कहानी

ii) प्रथम उपन्यास

iii) निबन्ध

iv) इनमें से कोई नहीं। 1

ग) 'स्कन्दगुप्त' नाटक के लेखक हैं

i) प्रेमचन्द

ii) लक्ष्मीनारायण मिश्र

iii) जयशंकर प्रसाद

iv) धर्मवीर भारती । 1

घ) 'निन्दारस' रचना है

i) मोहन राकेश की

ii) श्यामसुन्दर दास की

iii) हरिशंकर परसाई की

iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की । 1

ङ) 'शेखर एक जीवनी' के लेखक हैं

i) भीष्म साहनी

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

iv) प्रेमचन्द । 1

2. क) 'कामायनी' रचना है

i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की

ii) महादेवी वर्मा की

iii) जयशंकर प्रसाद की

iv) मोहन अवस्थी की । 1

ख) हिन्दी साहित्य के 'आदिकाल' के लिए 'बीज वपन' नाम दिया है

i) रामचन्द्र शुक्ल ने

ii) रामकुमार वर्मा ने

iii) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने

iv) डॉ० नगेन्द्र ने । 1

ग) 'अष्टछाप' के कवियों का सम्बन्ध है भक्तिकाल की

i) ज्ञानाश्रयी शाखा से

ii) प्रेमाश्रयी शाखा से

iii) कृष्णभक्ति शाखा से

iv) रामभक्ति शाख से । 1

घ) 'कितनी नावों में कितनी बार' काव्य कृति है

i) सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' की

ii) हरिवंशराय बच्चन की

iii) गिरिजा कुमार माथुर की

iv) सुमित्रानन्दन पन्त की । 1

ङ) 'रामचन्द्र शुक्ल' ने हिन्दी साहित्य के जिस काल को 'रीति काल' नाम दिया है, उसे 'शृंगार काल' नाम दिया है

i) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने

ii) मिश्र बन्धु ने

iii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी ने

iv) डॉ० रमाशंकर शुक्ल 'रसाल' ने । 1

3. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2 + 5 = 7

i) जो जन पृथिवी के साथ माता और पुत्र के सम्बन्ध को स्वीकार करता है उसे ही पृथिवी के वरदानों में भाग पाने का अधिकार है । माता के प्रति अनुराग और सेवा भाव पुत्र का स्वाभाविक कर्तव्य है । वह एक निष्कारण धर्म है । स्वार्थ के लिये पुत्र का माता के प्रति प्रेम, पुत्र के अध:-पतन को सूचित करता है । जो जन मातृभूमि के साथ अपना संबन्ध जोड़ना चाहता है, उसे अपने कर्तव्यों के प्रति पहले

ध्यान देना चाहिए । माता अपने सब पुत्रों को समान भाव से चाहती है । इसी प्रकार पृथिवी पर बसने वाले जन बराबर हैं । उनमें ऊँच और नीच का भाव नहीं है । जो मातृभूमि के उदय के साथ जुड़ा हुआ है वह समान अधिकार का भागी है । पृथिवी पर निवास करनेवाले जनों का विस्तार अनन्त है — नगर और जनपद, पुर और गाँव, जंगल और पर्वत नाना प्रकार के जनों से भरे हुए हैं । ये जन अनेक प्रकार की भाषाएँ बोलने वाले और अनेक धर्मों को मानने वाले हैं । फिर भी ये मातृभूमि के पुत्र हैं ।

ii) विज्ञान की प्रगति के कारण नयी चीजों का निरन्तर आविष्कार होता रहता है । जब कभी नया आविष्कार होता है उसे एक नयी संज्ञा दी जाती है । जिस देश में उसकी सृष्टि की जाती है वह देश उस आविष्कार के नामकरण के लिये नया शब्द बनाता है । वही शब्द प्राप्य: अन्य देशों में

बिना [illegible] जाता है । यदि हर देश उस [illegible] के लिये अपना-अपना नाम देता रहेगा तो उस [illegible] को समझने में ही दिक्कत होगी । जैसे- रेडियो, टेलीविजन, स्पूतनिक । प्रायः सभी भाषाओं में इनके लिये एक ही शब्द प्रयुक्त है और एक उदाहरण देखिये : 'सीढ़ी लगाना' । ऊपर चढ़ने के लिये अनादि काल से भारत में एक ही साधन मौजूद था । 'सीढ़ी' औद्योगिक क्रान्ति आदि ने आवश्यकता के अनुसार और भी कई तरह की सीढ़ियों का निर्माण किया । जैसे लिफ्ट, एलिवेटर-एस्कलेटर आदि । भारतीयों के लिये ये बिल्कुल नये शब्द हैं और इसलिये भारतीय भाषाओं में इसके लिये अलग-अलग नाम द्रष्टव्य नहीं होते । इस स्थिति में उन शब्दों को यथावत ग्रहण करने में कोई बाधा नहीं होनी चाहिए । फ्रेंच और लैटिन भाषाओं से अंग्रेजी ने ऐसे ही कई शब्दों को आत्मसात् कर लिया और अंग्रेजी से रूसी ने ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** गद्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 1 + 2 = 3

i) संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है ।

ii) पण्डिताई भी एक बोझ है — जितनी भी भारी होती है, उतनी ही तेजी से डुबाती है ।

iii) छल का धृतराष्ट्र जब आलिंगन करे तो पुतला ही आगे बढ़ाना चाहिए ।

4. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2 + 5 = 7

i) शिशिर, न फिर गिरि-वन में,
जितना मांगे, पतझड़ दूँगी मैं इस निज नन्दन में,
कितना कम्पन तुझे चाहिए, ले मेरे इस तन में
सखी कह रही, पाण्डुरता का क्या अभाव
आनन में ?

वीर, जमा दे नयन-नीर यदि तू-मानस-भाजन में,
तो मोती-सा मैं अकिंचना रक्खूँ उसको मन में,
हँसी गई, रो भी न सकूँ मैं, अपने इस जीवन में,
तो उत्कण्ठा है, देखूँ फिर क्या हो भाव
भुवन में।

ii) अहे निष्ठुर परिवर्तन !
तुम्हारा ही तांडव नर्तन
विश्व का करुण विवर्तन !
तुम्हारा ही नयनोन्मीलन,
निखिल उत्थान, पतन !
अरे वासुकि सहस्रफन !
लक्ष अलक्षित चरण तुम्हारे चिह्न निरन्तर
छोड़ रहे हैं जग के विक्षत वक्षः स्थल पर ।
शत-शत फेनोच्छ्वासित, स्फीत फूत्कार भयंकर
घुमा रहे हैं घनाकार जगती का अंबर
मृत्यु तुम्हारा गरल दंत, कंचुक कल्पान्तर
अखिल विश्व ही विवर
वक्र कुण्डल
दिङ्मण्डल ।

(ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी **एक** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 1 + 2 = 3

i) माता न कुमाता पुत्र कुपुत्र भले ही ।

ii) कुसुम वैभव में लता समान चन्द्रिका से लिपटा घनश्याम ।

iii) क्या वह केवल अवसाद मलिन — झरते आँसू की माला है ? मैंने आहुति बनकर देखा ।

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : 2 + 2 = 4

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

ii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

iii) हरिशंकर परसाई ।

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : 2 + 2 = 4

i) सुमित्रानन्दन पन्त

ii) महादेवी वर्मा

iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' ।

7. क) 'लाटी' **अथवा** 'बहादुर' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिये । 4

अथवा

'पंचलाइट' **अथवा** 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिये ।

ख) स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए : 4

i) 'राजमुकट' नाटक के आधार पर मुगल सम्राट 'अकबर' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'राजमुकुट' नाटक के तीसरे अंक की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिये ।

ii) 'कुहासा और किरण' नाटक के आधार पर 'कृष्ण चैतन्य' की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'कुहासा और किरण' नाटक के पहले अंक की कथावस्तु पर प्रकाश डालिये ।

iii) 'सूतपुत्र' नाटक के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सूतपुत्र' नाटक के चतुर्थ अंक की कथा अपने शब्दों में लिखिये ।

iv) 'आन का मान' नाटक के आधार पर 'अजीत सिंह' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आन का मान' नाटक के 'तृतीय अंक' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिये ।

v) 'गरुडध्वज' नाटक के आधार पर 'वासन्ती' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'गरुडध्वज' नाटक के तीसरे अंक की कथा अपने शब्दों में लिखिये ।

8. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 4

i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'सप्तम सर्ग' की कथावस्तु लिखिए ।

ii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथा अपने शब्दों में लिखिये ।

iii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के कथानक को अपने शब्दों में लिखिये ।

iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'दिवाकर मित्र' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ अंक की कथा अपने शब्दों में लिखिये ।

v) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के प्रथम एवं द्वितीय सर्ग की कथावस्तु पर प्रकाश डालिये ।

vi) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के चौथे सर्ग 'श्रवण' की कथावस्तु लिखिये ।

304(AT) – 3,30,000